शोध मंथन Vol. XVI No.4 Oct.- Dec. 2025 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X, Impact Factor 8.877 (SJIF)
https://doi.org/10.31995/shodhmanthan.2025.v16i04.84

भारत नेपाल तराई क्षेत्र (उ0प्र0) में जनसंख्या वितरण प्रतिरूप

प्राप्तिः 10.11.25
स्वीकृतः 12.12.25

84

रितुम्भरा मल्ल
असिस्टेंट प्रोफेसर
उदित नारायण स्नातकोत्तर
महाविद्यालय पडरौना, कुशीनगर
ईमेलः*ritumall2290@gmail.com*

Abstract

The study at hand sheds light on the spatial distribution pattern of population in Indo- Indo-Indo-Indo-Indo-Nepal terai region and is based on secondary data. The researcher concludes the conclusion that there are physio-economic factors affecting the population distribution pattern.

मुख्य शब्द

जनसंख्या, जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या घनत्व, जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक, वितरण प्रतिरूप।

किसी भी क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक विकास में जनसंख्या का महत्वपूर्ण योगदान होता है। जनसंख्या अपनी मात्रात्मक तथा गुणात्मक विशेषताओं के द्वारा किसी क्षेत्र विशेष के लिए वरदान अथवा अभिशाप हो सकती है। किसी भी जनसंख्या की सामाजिक, अर्थिक एवं धार्मिक संरचना उसे एक संसाधन के रूप में विकसित करती हैं। मानव स्वयं संसार का सबसे बड़ा संसाधन है। यह संस्कृति का निर्माता है और पदार्थों को अपने ज्ञान के द्वारा उपयोगी बनाकर संसाधन बनाने वाला है। मानव संसााधनों का सृजनकर्ता एवं उपभोगकर्ता दोनों है। मानव के लिए उपयोगी हुए बिना कोई भी पदार्थ संसाधन नहीं बन पाता। किसी भी क्षेत्र के संसाधनों के समुचित उपयोग के लिए अभीष्ट जनसंख्या होना अति आवश्यक है। संसाधनों का उपयेग, संरक्षण एवं नियोजन आदि सभी जनसंख्या के द्वारा ही निर्धारित किया जाता है। किसी भी क्षेत्र की भौतिक एवं सांस्कृतिक दिशाएं वहाँ के जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती है, प्रायः जीवन–अनुकूल दशाओं वाले क्षेत्र में अधिक जनसंख्या निवास करती है, जबकि विपरित दशाओं वाले क्षेत्र में कम जनसंख्या निवास करती है। किसी प्रदेश में जनसंख्या वितरण की सही तथा सार्थक जानकारी जनसंख्या की कुल मात्रा से नहीं हो पाती है। भूमि और जनसंख्या के सही सम्बन्धों को जानने के लिए क्षेत्रफल और जनसंख्या के अनुपात का ज्ञान

आवश्यक होता है। किसी प्रदेश के क्षेत्रफल और जनसंख्या के अनुपात को ही सामान्यतः जनसंख्या का घनत्व कहा जाता है। इस प्रकार जनसंख्या का घनत्व भूमि पर जनसंख्या के दबाव को प्रदर्शित करता है।

अध्ययन क्षेत्र की भौतिक विशेषताएं–

अध्ययन क्षेत्र भारत के सबसे प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश में है। यह क्षेत्र हिमालय पर्वत के दक्षिण में उसके पर्वतपदीप क्षेत्र के रूप में स्थित है। इसका विस्तार नेपाल देश के दक्षिणी सीमा के सहारे–सहारे एक संकीर्ण पेटी या मेखला के रूप में है। भौगोलिक रूप से यह क्षेत्र दो बड़े भौगोलिक स्थलाकृतिक व प्राकृतिक प्रदेशों– 1 हिमालय पर्वतीय प्रदेश 2. गंगा के बृहद मैदानी प्रदेश के मध्य संक्रमण पेटी या क्षेत्र के रूप में अवस्थित है। इसका विस्तार 26°53′ उत्तरी अक्षांश से 28°53′ उत्तरी अक्षांश तथा 79°57′ पूर्वी देशान्तर से 83°56′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक क्षेत्रफल 27439 वर्ग किमी0 है। जिसमें पीलीभीत जनपद का 3686 वर्ग किमी० अर्थात 13.43 प्रतिशत, लखीमपुर खीरी जनपद का 7680 वर्ग किमी० अर्थात 27. 98 प्रतिशत, बहराइच जनपद का 5237 वर्ग किमी0 अर्थात 19.8 प्रतिशत, बलरामपुर का 3349 वर्ग किमी० अर्थात 12.20 प्रतिशत श्रावस्ती का 1640 किमी अर्थात 5.98 प्रतिशत, सिद्धार्थनगर का 2895 अर्थात किमी0 अर्थात 10.55 प्रतिशत तथा महराजगंज जनपद का 2952 वर्ग किमी० अर्थात् 10.76 प्रतिशत क्षेत्र सम्मिलित हैं। प्रशासनिक रूप अध्ययन क्षेत्र में कुल सात जनपदों के 76 विकासखण्ड सम्मिलित है। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती सिद्धार्थनगर तथा महराजगंज सम्मिलित हैं।

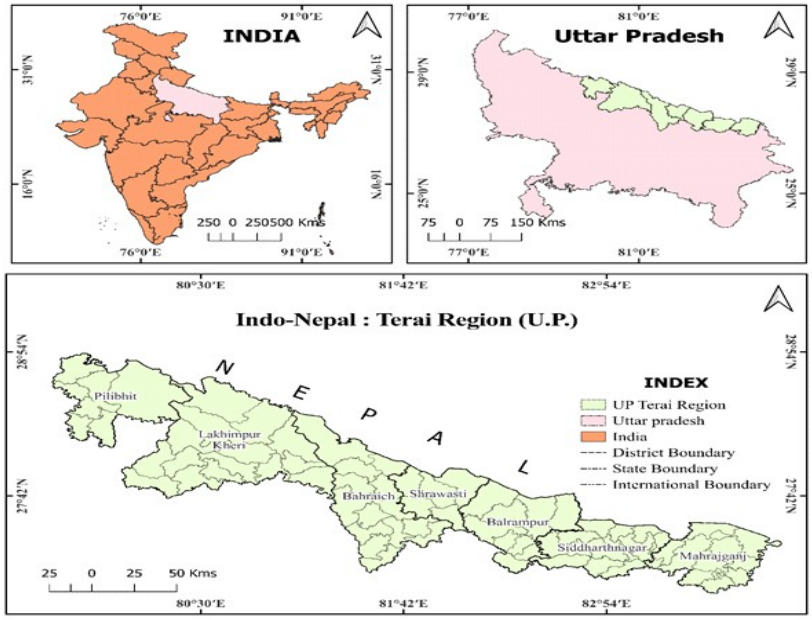

चित्र संख्या–1

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan.2025.v16i04.84

उद्देश्य– प्रस्तुत शोध–पत्र का उद्देश्य अध्ययन क्षेत्र में विद्यमान भौतिक एवं मानवीय दशाओं का अध्ययन करते हुए जनसंख्या वितरण का विश्लेषण करना है। साथ ही क्षेत्र विशेष में जनसंख्या के समान वितरण हेतु उपयुक्त नियोजन प्रस्तुत करके समवितरण को प्रोत्साहन देना है।

आँकड़ो का स्रोत एवं विधितंत्र – प्रस्तुत शोध प्रपत्र में द्वितीयक आँकड़ो का प्रयोग किया गया है। इस कार्य के लिए जनगणना 2011 एवं सभी जनपदों के सांख्यिकीय पत्रिकाओं का विस्तृत अध्ययन किया गया है। आँकड़ो का अंकन, विश्लेषण एवं मानचित्रण का भी कार्य किया गया है। विधितंत्र के रूप में यहाँ क्षेत्रफल के सन्दर्भ में जनसंख्या को आधार मानकर क्षेत्रीय विविधताओं को उभाड़ने का प्रयास किय गया है।

जनसंख्या घनत्व–

भौगोलिक संदर्भ में किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या घनत्व का मूल अभिप्राय प्रति इकाई क्षेत्र में निवास करने वाली जनसंख्या से है। अध्ययन क्षेत्र में कुल जनसंख्या 16575931 है तथा औसत जनसंख्या घनत्व 752 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी० है, जो देश के 382 तथा राज्य के 829 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से अधिक है। विकासखण्डवार जनसंख्या वितरण के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनघनत्व के क्षेत्रीय वितरण में यहॉ असमानता मिलती है।

जनसंख्या घनत्व का वितरण विकासखण्ड स्तर पर किया गया है। जिसे तालिका संख्या 1 एवं चित्र संख्या 2 में प्रदर्शित किया गया है।

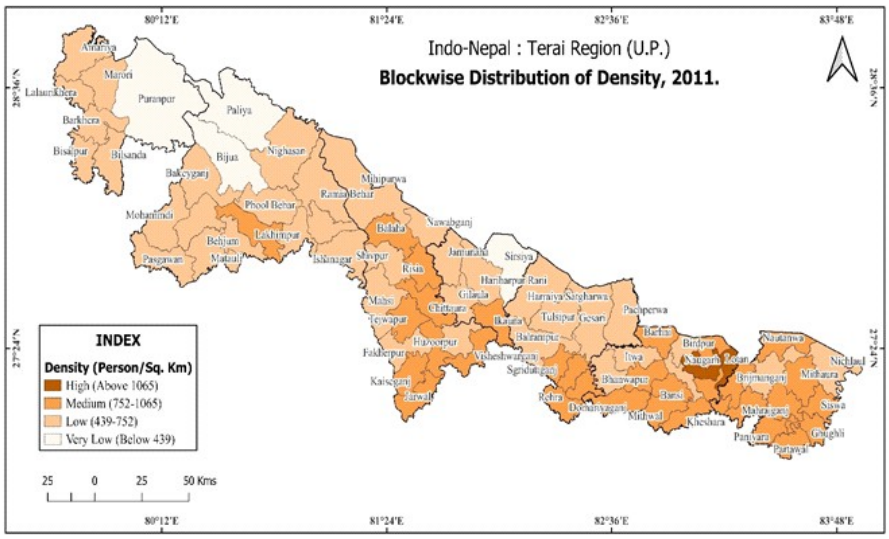

चित्र संख्या –2

विकासखण्ड स्तर पर जनसंख्या घनत्व का विवेचन करने के लिए चार वर्गो– उच्च,मध्यम, निम्न एवं अति निम्न वर्गो में विभक्त किया गया है जिसे तालिका 1 में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका संख्या –1

भारत नेपाल तराई क्षेत्र (उ0प्र0) में जनसंख्या घनत्व (2011)

श्रेणीगत वितरण	धनत्व (प्रति वर्ग किमी0)	विकासखण्ड	
		संख्या	नाम
उच्च	1065 से अधिक	2	लोटन, नौगढ़
मध्यम	1065–752	32	परतावल, डुमरियागंज, बर्डपुर फरेन्दा लखीमपुर सितवा, रेहरा बाजार, उत्तरौला, नौतनवां गैंडास बुजुर्ग, श्री दत्त गंज, मिठवल घुघली धानी, महराजगंज, बेसहरा पनियरा वृजमनगंज, मिठौरा, रिसिया उस्का बाजार चितौरा विशेश्वरगंज हुजूरपुर कैसरगंज बलहा बांसी तजवापुर जरवल, बढ़नी इकौना खुनियांव
निम्न	752–439	38	नवाबगंज, पयागपुर, फखरपुर, मरीरी, निचलौल, लक्ष्मीपुर बलरामपुर भनवापुर जमुनहा, इटवा. जेगिया शिवपुर गिलीला महीपुरवा, शोहरतगढ़ बीसलपुर कुम्भीगोला बार्कगंज, अमरिया बेहजम, मितौली, ललौरीखेड़ा महसी ईसानगर पसगवों, नकहा, तुलसीपुर फूलबेहड बरखेड़ा हरिहरपुररानी मोहम्मदी बिलसंडा घोरहरा रामिया बेहड़ निघासन, गैसड़ी, पचपेड़वा हरैया
अति निम्न	439 से कम	4	पलिया सिरसिया, बिजुआ, पूरनपुर

स्रोत–शोधार्थी द्वारा परिगणित

उपरोक्त तालिका संख्या 1 से स्पष्ट होता है कि उच्च जनसख्या घनत्व के अन्तर्गत 2 विकासखण्ड लोटन (2955) तथा नौगढ़ (1229) है। जिला मुख्यालय होने तथा रेल मार्ग और सड़क मार्ग का विकास, उपजाऊ भूमि, शिक्षण संस्थानों की स्थिति है। इन विकासखण्ड में अवस्थापनात्मक सुविधाओं के विकास होने से जनसंख्या घनत्व अधिक है।

मध्यम जनसंख्या घनत्व के अन्तर्गत 32 विकासखण्ड सम्मिलित है। इसके अन्तर्गत परतावल, डुमरियागंज, बर्डपुर, फरेन्दा, लखीमपुर, सिसवा, रेहरा बाजार, उत्तरौला, नौतनवां, गैंडास बुजुर्ग, श्री दत्त गंज, मिठवल, घुघली, धानी, महराजगंज, खेसहरा, पनियरा, वृजमनगंज, मिठौरा, रिसिया, उस्का बाजार चितौरा, विशेवरगंज, हुजूरपुर कैसरगंज, बलहा, बासी, तजवापुर, जरवल, बढ़नी, इकौना, खुनियांव विकास खण्ड में है। यहाँ पर 752–1065 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी० क्षेत्र में पाये जाते हैं।

निम्न जनसंख्या घनत्व के अन्तर्गत 38 विकासखण्ड है। इसके अन्तर्गत नवाबगंज, पयागपुर, फखरपुर, मरीरी, निचलौल, लक्ष्मीपुर बलरामपुर भनवापुर जमुनहा, इटवा. जेगिया शिवपुर गिलीला महीपुरवा, शोहरतगढ़ बीसलपुर कुम्भीगोला बार्कगंज, अमरिया बेहजम, मितौली, ललौरीखेड़ा महसी ईसानगर पसगवों, नकहा, तुलसीपुर फूलबेहड बरखेड़ा हरिहरपुररानी मोहम्मदी बिलसंडा

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan.2025.v16i04.84

घोरहरा रामिया बेहड़ निघासन, गैसड़ी, पचपेड़वा हरैया सम्मिलित है। जहाँ पर 752–439 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी क्षेत्र पाये जाते हैं।

अति निम्न जनसंख्या घनत्व के अन्तर्गत 4 विकासखण्ड हैं, जहाँ पर 439 या कम व्यक्ति प्रति वर्ग किमी० क्षेत्र पाये जाते हैं। इसमें पलिया, सिरसिया, बिजुआ, पूरनपुर विकासखण्ड सम्मिलित है। इन विकासखण्डों जनसंख्या घनत्व अति निम्न होने को मुख्य कारण कृषि भूमि की कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव एवं बाढ़ का प्रकोप तथा नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थिति होने का मुख्य कारण है।

निष्कर्ष

यह कहा जा सकता है कि क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व में अत्यधिक असमानता है। जिन भागों में भूमि, शैक्षणिक संस्थान, स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास, रेल एवं सड़क मार्ग का विकास आदि हुआ है, वहाँ जनघनत्व अधिक है। किन्तु जिन भागों में उपरोक्त अवस्थापनात्मक तत्वों का विकास नहीं हुआ है, वहाँ जनघनत्व कम है। अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक जनघनत्व के औसत से अधिक है। अतः जनसंख्या में गुणात्मक विकास हेतु रोजगारपरक क्रिया–कलापों का विकास संविकास की दृष्टि वांछनीय हैं। जिससे क्षेत्र में समान रूप से जनसंख्या का वितरण मिले।

संदर्भ

1. यादव, हीरालाल, जनसंख्या भूगोल, बसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर।
2. मौर्य, एस0डी0 जनसंख्या भूगोल, शारदा प्रकाशन, प्रयागराज।
3. चॉदना, आर0सी0 जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिकेशन।
4. जिला सांख्यिकी पत्रिका पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती सिद्धार्थनगर तथा महराजगंज 2011।